

Malacca during the last five years is as below:

Year	Penang	Malacca
1952	580	...
1953	550	...
1954
1955
1956	4,800	1,500

गोसंवर्धन

१२४८. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय गोसंवर्धन परिषद द्वारा प्रकाशित मासिक पत्र "गोसंवर्धन" की (i) कितनी प्रतियां छपती हैं, (ii) कितनी बिकती हैं, और (iii) कितनी बिना मूल्य बांटी जाती हैं ; और

(ख) पिछले दो वर्षों में इसके प्रकाशन पर प्रति वर्ष कितना व्यय हुआ और कितनी आय हुई है ?

t ["GOSAMVARBHANA"]

1248. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the number of copies of the monthly journal 'Gosamvardhana' published by the Central Council of Gosamvardhana which are (i) printed, (ii) sold and (iii) distributed free; and

(b) the amount of expenditure incurred on its publication and the income derived there from during each of the last two years?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ए० पी० जैन) : (क) ७००, ६४० और ६० क्रमशः ।

(ख)	हुआ खर्च (रुपये)	हुई आय (रुपये)
१९५५-५६	२०,२१२.५६	४,५११.६२
१९५६-५७	२८,०४८.६५	४,१४५.५०

t[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): (a) 700, 640 and 60 respectively.

(b)	Expenditure incurred (Rs.)	Income derived (Rs.)
1955-56	20,213.56	4,511.62
1956-57	28,048.95	4,145.50]

द्वितीय पंचवर्षीय की योजना में दूध यूनियनों की स्थापना

१२४९. श्री नवाब सिंह चौहान: क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) द्वितीय पंचवर्षीय योजना में ३६ सहकारी दूध यूनियनों स्थापित करने की जो योजना है, उसका विवरण क्या है और किस किस राज्य में कितनी कितनी यूनियनों स्थापित की जायेंगी और यह कब तक स्थापित हो जायेंगी ; और

(ख) इसके लिये सरकार कितनी सहायता देगी ?

t [SETTING UP OF MILK UNIONS UNDER SECOND FIVE YEAR PLAN

1249. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the details of the scheme for setting up 36 co-operative milk unions under the Second Five Year Plan, the number of unions to be set up in each of the States and the time by when they will be set up; and

(b) the amount of assistance to be given by Government in this regard?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ए० पी० जैन) : (क) ३६ भारतीय राज्यों में जिनकी प्रत्येक की जनसंख्या एक लाख या इससे अधिक है—३६ सहकारी दूध यूनियन स्थापित की जानी हैं । एक यूनियन की दूध की

†[] English translation.

क्षमता शहर की जनसंख्या के अनुसार नियत की गई है। तीन साइजों की दूध की यूनियनों अर्थात् १५०, २५० और ५०० मन दूध का प्रतिदिन कार्य करने के योग्य और जिनकी लागत लगभग ७ लाख, ११ लाख और २० लाख क्रमानुसार है—आयोजित की गई है। दूध की यूनियनों से संलग्न डेरियां दूध का पैस्चुरीकरण करेंगी और बोटलों में भर कर या इकट्ठी मात्रा में जनता और संस्थाओं को बेचेंगी—दूध, ग्रासपास के गांवों में से उत्पादकों की सहकारी समितियों से लिया जायेगा। दूध की यूनियनों का राज्य अनुसार तोड़ नीचे दिया हुआ है :—

राज्य	१९५७-५८	१९५८-५९	कुल
आंध्र	१	२	३
बिहार	१	२	३
बम्बई	४	४	८
मध्य प्रदेश	२	२	४
पंजाब	१	२	३
उत्तर प्रदेश	२	३	५
केरल	१	—	१
मैसूर	२	१	३
त्रिपुरा	१	—	१
आसाम	—	१	१
उड़ीसा	—	१	१
जम्मू और काश्मीर	—	१	१
राजस्थान	—	१	१
पांडिचेरी	—	१	१
कुल	१५	२१	३६

(ख) प्रत्येक आयोजना की कैपिटल कास्ट (capital cost) का ६० प्रतिशत भारत सरकार अनुदान के रूप में और शेष ४० प्रतिशत कर्ज के रूप में देती है। कुल आगत २६८ लाख रुपये आयेगी।

+ [THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): (a) The 36 co-operative milk unions are to be set up in 36 Indian towns, each with a population of one lakh or more. The capacity of a milk union has been fixed according to the population of the town. Milk unions of three sizes, viz., capable of handling 150, 250 and 500 mds. of milk daily and costing nearly Rs. 7 lakhs, 11 lakhs and 20 lakhs respectively, have been planned. The dairies attached to the milk unions will pasteurise milk and sell it in bottles or in bulk to public and institutions. Milk will be derived from producers' co-operatives in the surrounding villages.

The State-wise breakup of the milk unions is shown below:

State	1957-58	1958-61	Total
Andhra . . .	1	2	3
Bihar . . .	1	2	3
Bombay . . .	4	4	8
Madhya Pradesh . . .	2	2	4
Punjab . . .	1	2	3
Uttar Pradesh . . .	2	3	5
Kerala . . .	1	...	1
Mysore . . .	2	1	3
Tripura . . .	1	...	1
Assam	1	1
Orissa	1	1
Jammu and Kashmir	1	1
Rajasthan	1	1
Pondicherry	1	1
TOTAL . . .	15	21	36

(b) 60 per cent, of the capital cost of each project is given as grant and the remaining 40 per cent, as loan, by the Government of India. The total cost will aggregate to Rs. 298 lakhs.]

चमड़े की काढ़ने और पकाने का प्रशिक्षण

१२५०. श्री नवाब सिंह चौहान :
क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

† [] English translation.